

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 :-

- स्वतंत्र भारत में शिक्षा के समग्र रूप पर विचार कोठारी आयोग (1964-66) ने किया जिसके आधार पर सर्वप्रथम जुलाई 1978 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की घोषणा की गई पर शिक्षा नीति के प्रस्तावों तथा प्रावधानों की पूर्ण रूपेण लागु नहीं कर सके।
- जनवरी 1985 में देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी ने सत्ता संभालते ही नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने की घोषणा की। जिसमें वर्तमान शिक्षा व्यवस्था पर विश्लेषण कर समीक्षा की गई। इस समस्या तथा विश्लेषण के आधार पर "Challenge of Education A Policy perspective" डॉक्यूमेंट प्रकाशित किया गया तथा सन् 1986 में संसद ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) के रूप में स्वीकृति प्रदान कर दी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के मुख्य प्रस्ताव :-

- ① इसमें प्रस्तावों प्रावधानों तथा उपलब्धियों की चर्चा करते हैं कि स्पष्ट किया कि नीति को लागू करने से 90% ज्यादा ग्रामीण जनसंख्या को 1 km की परिधि में प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध हो। अधिकतर राज्यों द्वारा 10+2+3 की शैक्षिक संरचना को लागू किया लेकिन सम्पूर्ण राष्ट्र ने स्वीकार नहीं किया।